

प्रेषक,

एस0एन0 शुक्ला,
प्रमुख सचिव एवं राहत आयुक्त,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
सिद्धार्थनगर।

राजस्व अनुभाग-10

लखनऊ: दिनांक: 30 मार्च, 2010

विषय: वर्ष 2009-10 में बाढ़/बादल फटने से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की तात्कालिक मरम्मत/रेस्टोरेशन हेतु धनावंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय आपदा राहत समिति की बैठक दिनांक 26 मार्च, 2010 में लिये गये निर्णय के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2009-10 में बाढ़/बादल फटने से प्रभावित व्यक्तियों को राहत सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से तात्कालिक प्रकृति की अपरिहार्य परिस्थितियों वाले अर्ह एवं अनुमन्य श्रेणी की क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की मरम्मत/रेस्टोरेशन हेतु निम्नांकित प्रतिबन्धों एवं शर्तों के अधीन कुल धनराशि **रु0 4,76.23,000/- (रुपये चार करोड़ छिहत्तर लाख तेईस हजार मात्र)** संलग्न विवरण के अनुसार आपके निर्वतन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त स्वीकृति के फलस्वरूप होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-51 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2245-प्राकृतिक विपत्ति के कारण राहत-आयोजनेत्तर-05-आपदा राहत निधि-800-अन्य व्यय-03-आपदा राहत निधि से व्यय-42-अन्य व्यय" के नामे डाला जायेगा।

3. आपदा राहत निधि की धनराशि में से वर्ष 2009 में बाढ़/बादल फटने से प्रभावित व्यक्तियों को तत्काल राहत प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा निर्धारित आपदा राहत निधि की गार्ड लाइन्स की मद संख्या -18 के अधीन क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की तात्कालिक प्रकृति की अपरिहार्य परिस्थितियों वाले मरम्मत/रेस्टोरेशन के कार्यों पर धनराशि की आवश्यकता का निर्धारण करते हुये विभागीय मानकों एवं लोक निर्माण विभाग के शेड्यूल रेट के अनुसार व्यय की जायेगी। कार्य की सतत निगरानी/गुणवत्ता हेतु मण्डलायुक्त तथा जिलाधिकारी, तकनीकी अधिकारी तथा प्रशासनिक अधिकारियों की टास्कफोर्स भी गठित करेंगे, जिसके द्वारा कार्य का औचक निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से किया जाय। मण्डलायुक्त द्वारा भी मासिक बैठक में आपदा राहत निधि के अन्तर्गत निर्गत धनराशि एवं उसके उपयोग की समीक्षा की जायेगी एवं मण्डलीय टास्कफोर्स के माध्यम से कार्यों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जायेगी कि व्यय की जाने वाली धनराशि आपदा राहत निधि की गार्ड लाइन्स तथा मानक के अनुरूप हो। जिलाधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि उक्त निरीक्षण आख्या तथा जांच



- 2 -

दल द्वारा निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं का उल्लेख करते हुये पूर्ण सूचना/आख्या शासन को अनिवार्य रूप से 02 दिन में उपलब्ध करायेंगे।

4. वर्ष 2009-10 में बाढ़/बादल फटने से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की तात्कालिक मरम्मत/रेस्टोरेशन की परियोजनाओं को 30 दिन व अधिकतम 45 दिन में अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाय तथा नियमानुसार उपभोग प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय। जिलाधिकारी यह भी सुनिश्चित करेंगे कि आपदा राहत निधि से आवंटित धनराशि वर्ष 2009 में बाढ़/बादल फटने से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की तात्कालिक मरम्मत/रेस्टोरेशन की अनुमन्य श्रेणी की परियोजनाओं पर ही धनराशि व्यय करना सुनिश्चित करेंगे।

5. बाढ़/बादल फटने से क्षतिग्रस्त एवं अनुमन्य श्रेणी के कार्यों की तात्कालिक मरम्मत/रेस्टोरेशन कराने हेतु सम्बन्धित विभाग के सक्षम अधिकारी आंगणन तैयार करायेंगे। जनपद स्तर पर अवस्थापना सम्बन्धी ऐसे कार्य, जो आपदा राहत निधि के लिये लागू शर्तों एवं प्राविधानों के अधीन अनुमन्य तात्कालिक प्रकृति की अपरिहार्य परिस्थितियों वाले हों तथा जिनकी कुल लागत रु0 20 लाख से अधिक न हो, का अनुमोदन करने हेतु जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय राहत समिति गठित की गई है। इस समिति के अनुमोदन के आधार पर जिलाधिकारी द्वारा प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की जायेगी। यदि प्रस्तावित कार्य की लागत रु0 20 लाख से अधिक, परन्तु रु0 1 करोड़ से अनधिक हो, तो कार्य के अनुमोदन हेतु मण्डल स्तरीय राहत समिति को प्रस्तुत किया जायेगा। इस हेतु मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। इस समिति के अनुमोदोपरान्त मण्डलायुक्त द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जायेगी तथा वित्तीय उपलब्धता के आधार पर जिलाधिकारी द्वारा वित्तीय स्वीकृति जारी की जायेगी। तदोपरान्त सम्बन्धित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा अपेक्षित तकनीकी स्वीकृति जारी की जायेगी एवं विभाग द्वारा कार्य प्रारम्भ किया जायेगा। इस सम्बन्ध में समय-समय पर विभिन्न जनपदों के लिये शासनादेश संख्या 3665/1-10-2008-12(73)/2008, दिनांक 29 जुलाई, 2008 में बाढ़ से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की तात्कालिक मरम्मत हेतु निर्गत दिशा-निर्देशों का सम्बन्धित जनपदों द्वारा कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

6. आपदा राहत निधि की धनराशि का व्यय सक्षम अधिकारी द्वारा वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त नियमानुसार प्रक्रिया का अनुपालन सुनिश्चित करते हुये निर्धारित अवधि के अन्दर किया जायेगा।

7. तात्कालिक प्रकृति के अपरिहार्य परिस्थितियों वाले मरम्मत/रेस्टोरेशन कार्यों की परियोजनाओं को खण्डों में कदापि विभाजित नहीं किया जायेगा, अपितु निरन्तरता वाले विभिन्न परियोजनाओं को एक ही परियोजना माना जायेगा।

8. मरम्मत/रेस्टोरेशन कार्यों की परियोजनाओं पर व्यय होने वाली धनराशि की सूची माननीय जन-प्रतिनिधियों को भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाय तथा इसके व्यय में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाय।

9. आपदा राहत निधि से स्वीकृत उक्त धनराशि का अन्य किसी भी विभागीय कार्य हेतु प्रयोग कदापि न किया जाय। जिलाधिकारी यह भी सुनिश्चित करायेंगे कि उपरोक्त कार्य विशेष के लिये किसी अन्य योजना अथवा निधि से धनराशि सम्बन्धित कार्यदायी संस्था को आवंटित नहीं हुई है।



10. बाढ़ के अतिरिक्त यदि किसी क्षेत्र विशेष में 150 मिमी 0 वर्षा 24 घण्टे के अंदर रिकार्ड की गई हो, तो उस क्षेत्र विशेष में उसे अप्रत्याशित वर्षा माना जायेगा तथा आपदा राहत निधि की गार्ड लाइन्स में बादल फटने (Cloud Burst) की घटना मानते हुये दैवी आपदा माना जायेगा।
11. बाढ़ से क्षतिग्रस्त परियोजनाओं का भौतिक सत्यापन विभागीय प्रक्रियाओं के अन्तर्गत कराया जाय तथा जिला स्तरीय एवं मण्डल स्तरीय आपदा राहत समिति द्वारा गठित तकनीकी समिति के अनुमोदन के पश्चात ही विभाग को धनराशि उस सीमा तक ही तात्कालिक प्रकृति के अपरिहार्य परिस्थितियों वाले मरम्मत/रेस्टोरेशन सम्बन्धी परियोजनाओं पर व्यय हेतु निर्गत की जाय। सम्बन्धित विभाग से यह प्रमाण पत्र ले लिया जाय कि उक्त परियोजनाओं में वांछित विभागीय मानकों के अनुरूप वित्तीय, प्रशासनिक एवं तकनीकी अनुमोदन सक्षम स्तर से प्राप्त कर लिया गया है।
12. आपदा राहत निधि की धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका एवं अन्य सुसंगत नियमों/शासकीय निर्देशों के अधीन ही किया जायेगा।
13. उक्त स्वीकृत धनराशि से बाढ़/बादल फटने से प्रभावित व्यक्तियों को तत्काल राहत प्रदान करने के उद्देश्य से क्षतिग्रस्त सार्वजनिक परिसम्पत्तियों की तात्कालिक प्रकृति के अपरिहार्य परिस्थितियों वाले मरम्मत/रेस्टोरेशन कार्यों को कराये जाने से पूर्व कार्यदायी संस्था फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी करायेगी तथा कार्य के पूर्ण निष्पादन उपरान्त फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी कराकर व्यय सम्बन्धी मास्टररोल, एम0बी0 तथा सम्बन्धित बाउचर जिलाधिकारी को अग्रिम के समायोजन के साथ प्रस्तुत करेंगे। प्रत्येक चरण में की गई फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी की एक प्रति जिलाधिकारी के माध्यम से मण्डलायुक्त तथा शासन को भी उपलब्ध कराई जायेगी। उपरोक्त कार्यों की निदर्शनी भी प्रकाशित की जाय, जिसके अन्तर्गत जनपद में किये गये आपदा सम्बन्धी कार्यों का विवरण हो। इस निदर्शनी को मण्डलायुक्त, राहत आयुक्त एवं स्थानीय जन प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया जाय तथा इसे जनपद की वेबसाइट पर जन सूचना हेतु उपलब्ध कराया जाय।
14. कतिपय प्रकरणों में यह भी देखने में आया है कि आवंटित धनराशि एक मुश्त किसी सरकारी विभाग या स्थानीय प्राधिकारी को हस्तगत कराकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाती है। यह स्थिति उचित नहीं है। निधि से प्रदत्त धनराशि आपदा राहत हेतु प्रदान की जाती है। अतः आपदा राहत निधि की गार्ड लाइन्स के अनुसार राहत की आवश्यकता का निर्धारण करना, तदनुसार धन उपलब्ध कराना तथा इसका सदुपयोग सुनिश्चित कराना, व्यय का पूर्ण विवरण शासन को प्रत्येक माह की 05 तारीख तक उपलब्ध कराना जिलाधिकारी का कर्तव्य है। अतः आपदा राहत निधि से प्रदत्त धनराशि का प्रत्येक स्तर पर पूर्ण सजगता के साथ समुचित प्रयोग सुनिश्चित किया जाय।
15. आपदा राहत निधि से स्वीकृत धनराशि का जिला स्तर पर समुचित लेखा-जोखा रखा जाय तथा माह के अन्त में लेखा रजिस्टर जिलाधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाय और मदवार मासिक व्यय विवरण शासनादेश संख्या-1693/1-11-2005-रा0-11, दिनांक 20 जून, 2005 द्वारा प्रसारित प्रारूप पर अगले माह की 05 तारीख तक उपलब्ध कराने के साथ ही उक्त तिथि तक इसे राहत आयुक्त की वेबसाइट पर <http://rahat.up.nic.in> पर भी फीड करवाना

9

सुनिश्चित किया जाय। शासन द्वारा आवंटित धनराशि में से यदि बचते संभावित हों तो उसे शासन को तत्काल समर्पित कर दी जाय।

16. उक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र जिलाधिकारी द्वारा वित्तीय हस्तपुस्तिका खण्ड-5 भाग-1 के प्रस्तर-369 एच के अधीन निर्धारित प्रारूप संख्या-42 आई में शासन को तुरन्त उपलब्ध कराया जाय।

17. व्यय की धनराशि का महालेखाकार कार्यालय में सही मदों में पुस्तांकन कराया जाय और प्रत्येक माह में महालेखाकार कार्यालय से आंकड़े समाधानित एवं सत्यापित कराकर शासन को सूचित किया जाय।

18. आपदा राहत निधि से आवंटित धनराशि का व्यय अनिवार्य रूप से सी0आर0एफ0 की गार्ड लाइन्स के अनुरूप किया जाय। इस बिन्दु का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

भवदीय,

संलग्नक : यथोपरि।



(एस0एन0 शुक्ला)

प्रमुख सचिव एवं राहत आयुक्त

संख्या - 1345(1)/1-10-2010-14(15)/2009, तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा)/महालेखाकार (आडिट) प्रथम, उ0 प्र0 इलाहाबाद।
2. मण्डलायुक्त बस्ती मण्डल।
3. आयुक्त एवं सचिव, राजस्व परिषद, उ0 प्र0 लखनऊ।
4. कोषाधिकारी सिद्धार्थनगर।
5. वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-5
6. समीक्षाधिकारी (लेखा) राजस्व अनुभाग-10/राजस्व अनुभाग-6/11/राहत वेबसाइट के उपयोगार्थ।
7. चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 की धनावंटन पत्रावली में रखने हेतु।
8. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(श्रीश दुबे)

संयुक्त सचिव

संख्या - 1345 / 1-10-2010-14(15) / 2009
दिनांक 30 मार्च, 2010 का संलग्नक

जनपद सिद्धार्थनगर -

रु. 20.00 लाख तक की परियोजना

लोक निर्माण विभाग

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (रु0 लाख में)	जिला आपदा राहत समिति की संस्तुति	कार्य की प्रकृति
1	उस्का सोहांस मोहाना एवं करछुलिया पायल ब्रिज की 1.5 किमी0 मरम्मत कार्य।	18.50	प्राप्त	मरम्मत
2	तेतरी सोहांस मार्ग क्षतिग्रस्त भाग का पुर्नस्थापना कार्य 4.00 किमी0।	19.99	प्राप्त	मरम्मत
3	महदेवा-पटनी जंगल मार्ग के क्षतिग्रस्त भाग का 6.00 किमी0 मरम्मत कार्य।	19.92	प्राप्त	मरम्मत
4	उसका-सोहांस मार्ग से गौरा के क्षतिग्रस्त मार्ग का 1.00 किमी0 का मरम्मत कार्य।	7.80	प्राप्त	मरम्मत
5	उसका धर्मसिंहवा मार्ग के क्षतिग्रस्त 1.5 किमी0 भाग की मरम्मत/पुर्नस्थापना कार्य।	14.00	प्राप्त	मरम्मत
6	बर्डपुर नं0-11 से सिसवा ग्राण्ट के 3.00 किमी0 क्षतिग्रस्त भाग का मरम्मत/पुर्नस्थापना कार्य।	19.98	प्राप्त	मरम्मत
7	भैसाही जंगल किमी0 1,2,3,4 में 60 सेमी0 पानी सड़क पर चल रहा था सड़क क्षतिग्रस्त है।	20.00	प्राप्त	मरम्मत
8	ढेबरुआ सन्सरी मार्ग किमी0 में पुलिया के आगे सड़क टूट गई है। लगभग 15 मीटर कट गया है यातायात बन्द है। उसका पुनः निर्माण कराये जाने हेतु।	16.00	प्राप्त	मरम्मत
9	एफ0एन0बी0 एस0 से मधवानगर मार्ग पूरा क्षतिग्रस्त एवं 100 मी0 रोड ताल के किनारे कटा है। इसका पुनः निर्माण।	10.00	प्राप्त	मरम्मत



- 2 -

10	समय स्थान से बैरिहवा लिंक मार्ग पर पुलिया नं०-1 व पुल नं०-2 बाढ़ से बह गया है। यातायात बन्द है। उसका पुनः निर्माण।	10.00	प्राप्त	मरम्मत
11	देबरूआ सन्सरी मार्ग के किमी०-1 में पुलिया नं०-2 पर बासआऊ बह गया है। डबल रो पुलिया 900 एम०एम० का है। कभी भी यातायात बन्द हो सकता है। इसके पुनः निर्माण हेतु।	20.00	प्राप्त	मरम्मत
12	डी०डी० रोड से खैरी शीतल मार्ग पर किमी०-1 में 200 मी० में गॉव के बीचोबीच पानी जाता है। इसमें 200 मी० में मिट्टी डालकर रेज करना है तथा 3 कोड पत्थर डालकर पिच करना है। किमी० 1 में पुलिया क्षतिग्रस्त हैं उसका पुनः निर्माण।	15.00	प्राप्त	मरम्मत
13	एफ०एन०बी०एस० से अर्री मार्ग पर तीन पुलिया एवं सड़क क्षतिग्रस्त हो गया है।	15.00	प्राप्त	मरम्मत
14	सिसवा बसहिया किमी०-1 से 10 में किमी०-2 में पहुँच मार्ग क्षतिग्रस्त है। मरम्मत कराया जाना है।	10.00	प्राप्त	मरम्मत
15	कैवटली चौराहे से भुतहिया मार्ग के मरम्मत का कार्य।	9.33	प्राप्त	मरम्मत
16	सी०सी०रोड से देकहरी खुर्द में प्राथमिक विद्यालय तक मरम्मत का कार्य।	2.53	प्राप्त	मरम्मत
	योग:-	228.05		

जिला पंचायत

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (रु० लाख में)	जिला आपदा राहत समिति की संस्तुति	कार्य की प्रकृति
1	बयारा परसपुर मार्ग से चौरा जब्बार डीह सम्पर्क मार्ग लगभग 1.00 किमी०	15.00	प्राप्त	मरम्मत
2	सोहना धोबहा माईनर के बी०आर०बी० पुल से धौरहा दलित बस्ती तक लगभग 1.00 किमी।	15.00	प्राप्त	मरम्मत
3	रमवापुर शहरी मार्ग से डिउलीडीह सम्पर्क मार्ग लगभग 1.00 किमी० ।	15.00	प्राप्त	मरम्मत



4	पटकौली बैनिहा मार्ग से रतनपुर होते हुए स्कूल तक 1.00 किमी।	15.00	प्राप्त	मरम्मत
5	बॉसी- बस्ती मार्ग से छोटकी करही से कबरा तक 1.0 कि०मी०पिच मार्ग का मरम्मत कार्य।	15.40	प्राप्त	मरम्मत
	योग:-	75.40		

सिंचाई विभाग

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लागत (रु० लाख में)	जिला आपदा राहत समिति की संस्तुति	कार्य की प्रकृति
1	भगौतापुर रिंग बाँध के किमी० 0.00 से 1.115 के मध्य रेनकट भरने एवं रेस्टोरियन का कार्य	1.57	प्राप्त	मरम्मत
2	कैथवलिया बाँध के किमी० 0.000 से 5.400 के मध्य रेनकट भरने में मिट्टी का कार्य।	7.52	प्राप्त	मरम्मत
3	सूपा-एडवांस बांध के किमी० 1.800 से 2.00 के मध्य डैम्पनरों के पुर्नस्थापना का कार्य।	14.37	प्राप्त	मरम्मत
4	बॉसी बनकटा बाँध के किमी० 7.550 से 9.00 के मध्य बाँध के पुर्नस्थापना हेतु मिट्टी का कार्य।	19.88	प्राप्त	मरम्मत
5	दलपत पुर परसोहन बाँध के किमी० 0.100 से 3.000 के मध्य तटबन्ध के पुर्नस्थापना हेतु मिट्टी का कार्य।	18.39	प्राप्त	मरम्मत
6	परसोहन - मूसा बाँध के किमी० 0.000 से 3.000 के मध्य तटबन्ध के पुर्नस्थापना हेतु मिट्टी का कार्य।	18.38	प्राप्त	मरम्मत
7	नन्दवलिया बांध के किमी० 0.000 से 1.800 के मध्य बाढ़ से क्षतिग्रस्त बांध की पुर्नस्थापना का कार्य।	3.62	प्राप्त	मरम्मत
8	चैनपुर बांध के किमी० 0.000 से 3.600 के बीच रेन कटस व डैमेज का मरम्मत कार्य।	7.78	प्राप्त	मरम्मत
9	मोहम्मद नगर बांध के किमी० 0.000 से 3.000 के बीच रेन कटस भरने हेतु मिट्टी का कार्य।	7.06	प्राप्त	मरम्मत



10	नौगढ़ पूर्वी बांध के किमी० 0.000 से 1.050 के बीच रेन कट्स भरने हेतु मिट्टी का कार्य।	11.83	प्राप्त	मरम्मत
11	गोबर्द्धनपुर बांध के किमी० 4.700 से 5.000 के मध्य रोहड़ीला कटान स्थल पर हुई भारी वर्षा एवं बाढ़ के कारण हुई क्षति की पुर्नस्थापना कार्य।	2.36	प्राप्त	मरम्मत
12	उसका-लखनापार बांध के किमी० 0.000 से 10.500 के मध्य बाढ़ से क्षतिग्रस्त बांध की पुर्नस्थापना हेतु मिट्टी का कार्य।	19.02	प्राप्त	मरम्मत
13	उसका-महादेवा बांध के किमी० 0.000 से 1.800 के मध्य भारी वर्षा एवं बाढ़ के कारण हुई क्षति की पुर्नस्थापना कार्य।	3.64	प्राप्त	मरम्मत
14	बूढ़ी राप्ती नदी के दायें तट पर स्थित लमुहिया बसन्तपुर बांध के पुर्नस्थापना कार्य।	12.76	प्राप्त	मरम्मत
15	बूढ़ी राप्ती नदी के बायें तट पर स्थित इमिलिया रिंग बांध के पुर्नस्थापना हेतु मिट्टी का कार्य।	5.50	प्राप्त	मरम्मत
16	सोहना शाखा के किमी० 21.000 से किमी० 40.000 तक पुर्न स्थापना।	19.10	प्राप्त	मरम्मत
	योग:-	172.78		

(क)



(एस०एन० शुक्ला)
प्रमुख सचिव एवं राहत आयुक्त